



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 10, 2009/माघ 21, 1930

No. 255]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 10, 2009/MAGHA 21, 1930

गृह मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2009

का.आ. 427(अ).—यह कि विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 (1976 का 49), (इसके उपरान्त इसे सन्दर्भित अधिनियम कहा गया है) के अन्तर्गत पंजीकृत एसोसिएशनों द्वारा विदेशी अभिदाय की प्राप्ति स्रोत, तरीके और उपयोग के सम्बन्ध में जानकारी, विदेशी अभिदाय (विनियमन) नियम, 1976 के नियम 4 के साथ पठित धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रावधानों के अनुसार, निर्धारित तरीके से और निर्धारित समयावधि के भीतर दी जानी अपेक्षित है;

और, यह कि अनेक एसोसिएशनों ने तीन वर्षों, अर्थात् वर्ष 2001-2002, 2002-2003 और 2003-2004 से सम्बन्ध में वार्षिक लेखे प्रस्तुत नहीं किए हैं और इस प्रकार विदेशी अभिदाय (विनियमन) नियम, 1976 के नियम 4 के खंड (क) के साथ पठित सन्दर्भित अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रावधानों का उल्लंघन किया है;

और, यह कि केन्द्र सरकार ने, अपेक्षित कानूनी प्रक्रिया का अनुसरण करने के उपरान्त, सन्दर्भित अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii), दिनांक 18 नवम्बर, 2005 में प्रकाशित, दिनांक 26 अक्टूबर, 2005 की अधिसूचना सं. का.आ. 1621(अ), द्वारा इन एसोसिएशनों को पूर्वानुमति श्रेणी में रखा था ;

और, यह कि शासकीय राजपत्र में दिनांक 21-6-2006 को प्रकाशित, दिनांक 16 जून, 2006 की अधिसूचना सं. का.आ. 924(अ), द्वारा एक अम्नेस्टी स्कीम अधिसूचित की गई थी जिसमें एसोसिएशनों, जिन्होंने लम्बित विवरणियां अथवा दिनांक 31-12-2006 तक विवरणियां

प्रस्तुत करने के प्रमाण प्रस्तुत कर दिए थे, को पूर्वानुमति श्रेणी से हटा दिया गया था;

और, यह कि पूर्वानुमति श्रेणी में रखी गई एसोसिएशनों से, विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत उनके पंजीकरण को बहाल करने के सम्बन्ध में लगातार अभ्यावेदन प्राप्त हो रहे हैं, जिन पर विचार करते हुए, गृह को सुलझाने के लिए एक अम्नेस्टी स्कीम तैयार करने का निर्णय लिया गया है;

अतः, अब, केन्द्र सरकार, समुचित विचार-विमर्श के उपरान्त, सन्दर्भित अधिनियम की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, यह आदेश देती है कि भारत के राजपत्र, दिनांक 18 नवम्बर, 2005 में प्रकाशित, दिनांक 26 अक्टूबर, 2005 की अधिसूचना सं. का.आ. 1621(अ) के अन्तर्गत पूर्वानुमति श्रेणी में रखी गई एसोसिएशनें वर्ष 2001-2002 से वर्ष 2007-2008 की अवधि के लिए विशेषरूप से विदेशी अभिदाय के सम्बन्ध में, प्राप्ति या एवं भुगतान लेखों और तुलन-पत्र सहित, किसी सनदी लेखाकार द्वारा सत्यापित, अपने वार्षिक लेखे, निर्धारित एफ.सी.-3 प्रपत्र में प्रस्तुत कर सकती है। जिन एसोसिएशनों ने वर्ष 2001-2002 से वर्ष 2007-2008 की अवधि के दौरान किसी वर्ष विशेष में कोई विदेशी अभिदाय प्राप्त नहीं किया उनके द्वारा उस/उन वर्ष (वर्षों) के सम्बन्ध में 'शून्य' विवरणी प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा। यह लेखे इस आशय के एक नोटिस के समाचार पत्र (पत्रों) में प्रकाशित होने की तारीख से छह माह की अवधि के भीतर प्रस्तुत करने होंगे ;

उपर्युक्त वर्णित निर्धारित समयावधि के भीतर पूरे लेखे प्रस्तुत करने वाली एसोसिएशनों को, अपेक्षित प्रक्रिया के उपरान्त, दिनांक 26 अक्टूबर, 2005 की अधिसूचना सं. का.आ. 1621(अ) के दायरे से छूट देने और विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत उनका पंजीकरण बहाल करने पर विचार किया जाएगा ;

उन एसोसिएशनों, जिन्हें पूर्वानुमति श्रेणी में रखने वाली अधिसूचना के दायरे से छूट प्रदान कर दी जाएगी और जिनका पंजीकरण बहाल कर दिया जाएगा, की सूची गृह मंत्रालय की वेब साईट नामतः www.mha.nic.in पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

[सं. II/21022/52(25)/2005-एफ.सी.आर.ए. (एम.यू.)]

अशीम खुराना, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th February, 2009

S.O. 427(E).—Whereas, associations registered under the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976), (hereinafter referred to as the said Act) are required to furnish an intimation about the acceptance, source, manner and utilization of foreign contribution in the prescribed manner and within the prescribed period as per the provisions of sub-section (1) of Section 6 read with rule 4 of the Foreign Contribution (Regulation) Rules, 1976;

And, whereas, a large number of associations had failed to furnish annual accounts pertaining to three years, viz. 2001-2002, 2002-2003 and 2003-2004 and thereby contravened the provisions of sub-section (1) of Section 6 of the said Act read with clause (a) of rule 4 of the Foreign Contribution (Regulation) Rules, 1976 made thereunder;

And, whereas, after following the due process of law, the Central Government, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 6 of the said Act, had placed these associations in the prior permission category *vide* notification number S.O. 1621(E), dated the 26th October, 2005 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 18th November, 2005;

And, whereas, an Amnesty Scheme was notified in the Official Gazette *vide* notification No. S.O. 924(E), dated the 16th June, 2006 published on 21-6-2006 whereby associations, which submitted pending returns or proof of

submission of returns by 31-12-2006, were removed from prior permission category;

And, whereas, representations continue to be received from the associations placed in prior permission category for restoration of their registration under Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976, considering which, it has been decided to work out an amnesty scheme to address the issue;

Now, therefore, after due consideration, the Central Government, in exercise of the powers conferred by Section 31 of the said Act, hereby orders that associations which stand placed in the prior permission category *vide* notification No. S.O. 1621(E), dated the 26th October, 2005 published in the Gazette of India dated the 18th November, 2005 may now submit their annual accounts in prescribed FC-3 form accompanied by Receipts and Payment Account and Balance Sheet exclusively for foreign contribution duly certified by a chartered accountant for the period from 2001-2002 to 2007-2008. Such associations, which did not receive any foreign contribution during a particular year/ years within the period 2001-2002 to 2007-2008, would be required to furnish a NIL return for that-those year(s). The accounts shall have to be submitted within a period of six months from the date of publication of a notice to this effect in newspaper(s);

The associations submitting complete accounts within the stipulated period as stated above shall, after due process, be considered for exemption from the purview of the notification No. S.O. 1621(E), dated the 26th October, 2005 and the restoration of their registration under Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976.

The list of the associations, which would be exempted from the purview of Notification placing them in Prior Permission Category, and whose registration is thereby restored, shall be made available on the website of the Ministry of Home Affairs, namely www.mha.nic.in.

[No. II/21022/52(25)/2005-FCRA(MU)]

ASHIM KHURANA, Jt. Secy.